न्यूज डायरी

मलेश लुल्ला जिन्हें अमेरिका ने स्वतंत्रता दिवस से पहले किया सम्मानित

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। अमेरिका की प्रतिष्ठित कार्नेगी कॉरपोरेशन ने स्वतंत्रता दिवस से कुछ दिन पहले ही 34 प्रवासियों को सम्मानित किया है। इसमें भारतीय मूल के कमलेश लुल्ला और गीता गोपीनाथ भी शामिल हैं। इन दोनों शख्सियतों को यह सम्मान अपने योगदान और कार्यों से अमेरिकी समाज और लोकतंत्र को समृद्ध एवं मजबूत करने के लिए दिया गया है। गीता गोपीनाथ साल 2019 से आईएमएफ की चीफ इकोनॉमिस्ट हैं, जबकि कमलेश लुल्ला पिछले 29 साल से नासा के प्रमुख वैज्ञानिक और ख्यातिप्राप्त लेखक हैं। कमलेश लुल्ला वर्तमान में ह्यूस्टन के नासा जॉन स्पेस साइंस में यूनिवर्सिटी रिसर्च कॉलिबरेशन एंड पार्टनरशिप ऑफिस के डायरेक्टर हैं। डॉ लुल्ला अमेरिका के विश्वविद्यालयों से विद्वान छात्रों को नासा में काम करने के लिए लेकर आते हैं। ये छात्र अडवांस टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट और इनोवेशन के क्षेत्र में नासा के साथ मिलकर काम करते हैं।

नेपाल में फिर से शुरू हुई नियमित वीजा सेवाएं

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) काठमांडू। नेपाल में विदेशी निवासियों के लिए नियमित वीजा सेवाएं फिर से शुरू की जाएगी। रिपोर्ट के मुताबिक, लगभग एक महीने से ज्यादा समय तक यहां पर विदेशी निवासियों के लिए कोरोना के चलते नियमित वीजा सेवा बंद कर दी गई थी। आज यानी शुक्रवार के बाद से इन सेवाओं को फिर से शुरू किया जाएगा। रिपोर्ट के मुताबिक, आव्रजन विभाग की तरफ से कहा गया है कि उन्होंने सरकार के स्वास्थ्य और सुरक्षा प्रोटोकॉल का सख्ती से पालन करते हुए 20 मई से निलंबित सभी वीजा सेवाओं को फिर से शुरू करने का फैसला किया है। विभाग के महानिदेशक नारायण प्रसाद भट्टाराई ने बताया कि नियमित वीजा सेवाओं की बहाली के साथ ही देश में रहने वाले कम से कम 1,000 से 1,100 विदेशी पासपोर्ट धारक, जो लॉकडाउन के चलते अपना वीजा को रिन्यू नहीं करा पा रहे थे वह अब आसानी से यह काम करा सकते हैं।

स्वच्छ पानी और स्वच्छता को लेकर डब्ल्यूएचओ ने जारी की रिपोर्ट

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) जिनेवा। विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा जारी एक संयुक्त रिपोर्ट में कहा गया है कि 2020 में चार में से एक व्यक्ति के पास अपने घरों में सुरक्षित रूप से पीने के पानी की कमी रही। इसके अलावा दुनिया की लगभग आधी आबादी के पास सुरक्षित रूप से प्रबंधित स्वच्छता की कमी थी। विश्व स्वास्थ्य संगठन और संयुक्त राष्ट्र बाल कोष द्वारा जारी की गई रिपोर्ट में इसका खुलासा हुआ है। डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक टेड्रोस अदनोम घेब्रियस ने इस दौरान कहा कि कोरोना और अन्य संक्रामक रोगों के प्रसार को रोकने के लिए हाथ धोना सबसे प्रभावी तरीकों में से एक है, लेकिन फिर भी दुनियाभर में लाखों लोगों के पास स्वच्छ पानी की पहुंच नही है।

क्या फिर मजबूत होंगे अमेरिका–पाकिस्तान के संबंध?

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान इन दिनों अमेरिकी मीडिया को इंटरव्यू देकर बाइडन प्रशासन को रिझाने में लगे हुए हैं। जून में ही पाकिस्तानी एनएसए ने अमेरिकी समकक्ष से बात कर आपसी रिश्तों को समानता के आधार पर मजबूत करने की वकालत की। अब अमेरिका के दो विशेषज्ञों ने कहा है कि अमेरिका के साथ संबंध सुधारने की पाकिस्तान की इच्छा तबतक पूरी नहीं हो सकती जबतक वह आतंकवाद की नीति और भारत–चीन के साथ अपने रिश्तों में बदलाव नहीं करता है। 'अफगानिस्तान से अमेरिकी सेनाओं की वापसी के बाद अमेरिका–पाकिस्तान संबंध' के विषय पर आयोजित एक सम्मेलन में राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद की पूर्व वरिष्ठ निदेशक और सेंटर फॉर न्यू अमेरिकन सिक्योरिटी में सीनियर फेलो लीजा कर्टिस ने कहा कि रणनीतिक साझेदारों को रणनीतिक हितों पर एकमत होने की जरूरत है। उन्होंने यह भी बताया कि वर्तमान में पाकिस्तान तथा अमेरिका के बीच अफगानिस्तान और चीन को लेकर सहमति नहीं है।

पाकिस्तान में भारतीय दूतावास के ऊपर उड़ता दिखा ड्रोन

आपत्ति

भारत ने पाकिस्तान के सामने दर्ज करवाई कड़ी आपत्ति

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में स्थित भारतीय दूतावास के ऊपर ड्रोन को उड़ते हुए देखा गया है। जिसके बाद भारत ने इस मामले को पाकिस्तानी अधिकारियों के सामने उठाते हुए कड़ा विरोध दर्ज कराया है। यह ड्रोन भारतीय दूतावास के अधिकारियों के आवास के ऊपर उड़ता हुआ दिखा था। ऐसा पहली बार हुआ है जब पाकिस्तान में भारतीय मिशन के अंदर ड्रोन दिखाई दिया है। इस्लामाबाद के अति सुरक्षित क्षेत्र में ऐसी घटना से भारतीय मिशन के अधिकारियों की चिंता बढ़ गई है।

26 जून को दूतावास के ऊपर दिखा था ड्रोनः रिपोर्ट के अनुसार, यह घटना 26 जून की है। ड्रोन के दिखाई देने के समय भारतीय मिशन के अंदर एक कार्यक्रम चल रहा था। अभी तक इस बात की आधिकारिक पुष्टि नहीं हो सकी है कि यह ड्रोन कहां से आया था और इससे भारतीय

दूतावास की सुरक्षा को कोई खतरा तो नहीं हुआ।

जम्मू हवाई अड्डे की घटना से मिल रही तारीखः संयोग की बात यह भी है कि उसी तारीख को जम्मू स्थित भारतीय वायु सेना के अड्डे पर ड्रोन से विस्फोटक गिराए गए थे। 27 जून को भारतीय वायुसेना ने इस विस्फोट की जानकारी दी थी। इस हमले में भी पाकिस्तानी आतंकियों के हाथ होने की आशंका जाहिर की गई थी। जांच में पता चला था कि जम्मू हवाई अड्डे पर हमले के लिए मिलिट्री ग्रेड के विस्फोटकों का इस्तेमाल किया गया था।

भारतीय दूतावास के अधिकारियों को परेशान करता है पाकिस्तान पाकिस्तान लगातार वियना संधि का उल्लंघन करता रहा है। पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई भारतीय राजनयिकों को परेशान करने का काम भी करती है। कई बार भारतीय राजनयिकों का पीछा किया जाता है। इस्लामाबाद के अति सुरक्षित क्षेत्र में राजनयिकों के आवास होने के बावजूद लोगों को इकट्ठा करवाकर भारतीय मिशनों के आगे शोरगुल भी किया जाता है।

क्या है वियना संधिः साल 1961 में आजाद देशों के बीच राजनयिक संबंधों को लेकर वियना संधि हुई थी। इस संधि के तहत राजनयिकों को विशेष अधिकार दिए गए हैं। इस संधि के दो साल बाद 1963 में संयुक्त राष्ट्र संघ ने इंटरनेशनल लॉ कमीशन द्वारा तैयार एक और संधि का प्रावधान किया, जिसे वियना कन्वेंशन ऑन कॉन्सुलर रिलेशंस कहा गया। इस संधि को 1964 में लागू किया गया था।

राजनयिकों को लेकर हैं ये नियम इस संधि के तहत मेजबान देश अपने यहां रहने वाले दूसरे देशों के राजनयिकों को विशेष दर्जा देता है। कोई भी देश दूसरे देश के राजनयिकों को किसी भी कानूनी मामले में गिरफ्तार नहीं कर सकता है। न ही उन्हें किसी तरह की हिरासत में रखा जा सकता है। वहीं, राजनयिक के ऊपर मेजबान देश में किसी तरह का कस्टम टैक्स नहीं लगाया जा सकता है।

इमरान खान ने उइगर मुस्लिमों के मुद्दे पर चीनी नीति को बताया सही

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने अंतरराष्ट्रीय मीडिया में आई उन खबरों को झूठा करार दिया है जिसमें शिनजियांग प्रांत के उइगर मुस्लिमों पर चीन की सरकार द्वारा किए जा रहे दुर्व्यवहार की बातें कही गई थीं। इस मामले में चीन के सुर में सुर मिलाते हुए इमरान खान ने कहा कि चीन का रवैया मीडिया में कही जा रही बातों से बिल्कुल अलग है। चीन की कम्यूनिस्ट पार्टी ऑफ चाइना के 100 वर्ष पूरे होने के मौके पर इमरान खान ने पत्रकारों द्वारा पूछे गए सवालों के जवाब में इस मुद्दे पर न सिर्फ चीन की सरकार को क्लीन चिट दी बल्कि साफतौर पर कहा कि वो इस चाइनीज वर्जन से भी पूरी तरह से सहमत है और इसको स्वीकार करता है।

उन्होंने उइगरों के साथ किए जा रहे मानावाधिकार उल्लंघन से जुड़े सवाल के जवाब में एक बार फिर से भारत पर झूठा आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि इस तरह के आरोप लगाने वालों को जम्मू कश्मीर में क्या हो रहा है दिखाई नहीं देता है। उन्होंने उइगरों का मामला उठाने वालों को पाखंडी करार दिया। उन्होंने कहा कि ये सब कुछ पाखंड है। दुनिया के दूसरे कई देशों में मुस्लिमों के साथ मानवाधिकार उल्लंघन हो रहा है।

अमेरिका, कनाडा में बढ़ रही हीटवेव से मौतें

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वाशिंगटन। अमेरिका और कनाडा में हीटवेव के कारण मरने वालों की संख्या बढ़ती जा रही है। अधिकारियों के अनुसार, कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया प्रांत और अमेरिकी राज्य वाशिंगटन और ओरेगॉन में सैकड़ों लोगों की मौत हुई है। भीषण गर्मी का सामना कर रहे अमेरिका और कनाडा में एयर कंडीशनर और पंखे के बिना घरों में कई लोग मृत पाए गए और इनमें से कुछ 97 साल की उम्र तक के बुजुर्ग भी शामिल हैं। मौसम विज्ञानियों ने प्रशांत उत्तर पश्चिमी क्षेत्र और पश्चिमी कनाडा में रिकॉर्ड तोड़ गर्मी की चेतावनी दी थी। इस चेतावनी के मद्देनजर अधिकारियों ने कूलिंग केंद्र बनाए, बेघर लोगों को पानी वितरित किया और कई अन्य कदम उठाए।

दुनिया के सबसे ठंडे स्थान अंटार्कटिका में पड़ी रेकॉर्ड तोड़ गर्मी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

पारा पिछले साल 18.3 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचा

न्यूयॉर्क। दुनिया के सबसे ठंडे स्थानों में शुमार अंटार्कटिका पर भीषण गर्मी ने अब तक के सारे रेकॉर्ड तोड़ दिए हैं। संयुक्त राष्ट्र ने अब मान लिया है कि अंटार्कटिका महाद्वीप पर पारा पिछले साल 18.3 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था। संयुक्त राष्ट्र के वर्ल्ड मेट्रोलॉजिकल ऑर्गनाइजेशन ने बताया कि 6 फरवरी 2020 को अंटार्कटिका इलाके में स्थित आर्जेंटीना के इस्पेरंजा शोध स्टेशन पर तापमान 18.3 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था।

ऑर्गनाइजेशन के महासचिव पेट्टारी ताल्स ने कहा कि इस अधिकत तापमान के रेकॉर्ड की पुष्टि आवश्यक थी क्योंकि वहां के मौसम और जलवायु के बारे में एक व्यापक समझ बनाने में मदद करता है। उन्होंने कहा, अंटारर्कटिका इलाका धरती के सबसे ज्यादा तेजी से गरम होते इलाकों में से एक है। यहां पर पारा 50 साल में 3 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ गया है। इसलिए जलवायु परिवर्तन के साथ यह तापमान लगातार बना हुआ है जिसका हम परीक्षण कर रहे हैं।

200 फुट तक बढ़ सकता है समुद्र का जलस्तरः संयुक्त राष्ट्र की संस्था ने ब्राजील के उस दावे को खारिज कर दिया जिसमें कहा गया था कि सेयमोउर द्वीप समूह के पास तापमान 20.75 रेकॉर्ड किया गया है। इससे पहले अंटार्कटिका में अधिकतम पारा 17.5 डिग्री सेल्सियस वर्ष 2015 में दर्ज किया गया था। बढ़ती गर्मी के संकेत के बाद संयुक्त राष्ट्र की संस्था ने इस पूरे इलाके के मौसम की स्थिति की जांच की थी। उन्होंने पाया था कि हवा का उच्च दबाव का क्षेत्र बना है, इससे गर्मी बढ़ रही है। इससे पहले नैशनल स्नो एंड आइस डेटा सेंटर ने चेतावनी दी थी कि अंटार्कटिका धरती के अन्य हिस्सों की तुलना में ज्यादा तेजी से गरम हो रहा है। अंटार्कटिका में बर्फ के रूप में इतना पानी जमा है जिसके पिघलने पर दुनियाभर में समुद्र का जलस्तर 200 फुट तक बढ़ सकता है।

अमेरिकी सिक्योरिटी एजेंसी ने रूस पर लगाया हैकिंग का आरोप

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वाशिंगटन। अमेरिका और ब्रिटिश एजेंसियों ने खुलासा किया कि रूसी खुफिया एजेंसियों द्वारा सैकड़ों बार सरकारी एजेंसियों, ऊर्जा कंपनियों और अन्य संगठनों की क्लाउड फाइल को हैक करने की कोशिश की गई है। यूएस नेशनल सिक्योरिटी एजेंसी द्वारा जारी एक एडवाइजरी में कहा गया कि जीआरयू, रूसी सैन्य खुफिया एजेंसी से जुड़े लोगों द्वारा साइबर हमले किए गए है। इन साइबर हमलों से 2016 और 2020 के अमेरिकी राष्ट्रपति चुनावों को बाधित करने का प्रयास किया जा चुका है। एक बयान में एनएसए साइबर सुरक्षा निदेशक रॉब जॉयस ने कहा कि ये अभियान वैश्विक स्तर पर चल रहा था। साइबर हमले तब तक होते रहेगे, जब तक हैकर्स को एक्सेस नहीं मिल जाता। कंपनियों से आग्रह किया गया है कि बहु–कारक प्रमाणीकरण का उपयोग किया जाए और मजबूत पासवर्ड बनाए जाए। अमेरिका लंबे समय से रूस पर जासूसी के लिए साइबर हमले का इस्तेमाल करने और उसे बर्दाश्त करने का आरोप लगाता रहा है।